



## यात्रा/सफर

हम चले  
तो घास ने हट कर हमें रास्ता दिया  
हमारे कदमों से छोटी पड़ जाती थी पगडंडियाँ  
हम घूमते रहे घूमती हुई पगडंडियों के साथ ।  
-कुमार अनुपम ।

लीक पर वे चलें जनिके  
चरण दुर्बल और हारे हैं  
हमें तो जो हमारी यात्रा से बने  
ऐसे अनरिमति पन्थ प्यारे हैं ।  
-सर्वेश्वरदयाल सक्सेना ।

किसी को घर से नकिलते ही मलि गई मंजलि ।  
कोई हमारी तरह उम्र भर सफर में रहा ।  
-अहमद फराज ।

है कोई जो बताए शब के मुसाफरिों को  
कतिना सफर हुआ है कतिना सफर रहा है ।  
-शहरयार

